



SMT. K. C. RUNREMSANGI

Smt. K. C. Runremsangi is the Dance Instructor under Institute of Music & Fine Arts, Art & Culture Department, Government of Mizoram. She is serving as Guru Shishya Parampara Scheme in 2017-2018 under North East Zone Cultural Centre, Dimapur, Nagaland.

2. Born on 2nd April, 1963, Smt. Runremsangi passed Pre-University Course under North Eastern Hill University (NEHU), Shillong and passed a Certificate holder in A+ Grade in Traditional Dance, Music and Folk Song under the Institute of Music & Fine Arts, Art & Culture Department, Government of Mizoram. She is also a B High Grade Radio Artist under All India Radio, Aizawl. She has graced the Mizoram greatest State Festival - Chapchar Kut for several years and has also performed in Cultural Meets throughout Mizoram. She has also represented not only Mizoram, but in several places across India like Tripura, Manipur, Assam, Meghalaya, Goa, Madhya Pradesh, Karnataka, New Delhi, Lakshadweep as well as outside India including Pyongyang, North Korea.

3. Smt. Runremsangi has released 8 Albums of Traditional Songs and Modern Folk Songs during the years 1986 - 2014. She has taught Cultural Dances, Folk Song and Folk Music in a number of rural areas, schools and colleges in Mizoram for more than 50 occasions. She has acted as a Judge in several Folk Song and Cultural Dance Competitions.

4. Smt. Runremsangi was awarded 1st Prize on 03rd March, 1990 in the Folk Song Competition organized by Aizawl Centenary Celebration Committee. On account of her outstanding performances in Folk Music, she was awarded Sangeet Natak Akademi Award - 2017 from the then President of India.



श्रीमती के. सी. रूनरेमसाडी

श्रीमती के. सी. रूनरेमसाडी मिजोरम सरकार के संगीत और ललित कला संस्थान, कला और संस्कृति विभाग में नृत्य प्रशिक्षक हैं। उन्होंने उत्तर-पूर्व क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, दीमापुर, नागालैंड के तहत 2017-2018 में गुरु शिष्य परंपरा योजना के अंतर्गत अपनी सेवाएं दी हैं।

2. 2 अप्रैल, 1963 को जन्मी, श्रीमती रूनरेमसाडी ने नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी (एनईएचयू), शिलांग के तहत ग्री-यूनिवर्सिटी कोर्स पास किया और इंस्टीट्यूट ऑफ म्यूजिक एंड फाइन आर्ट्स, आर्ट एंड कल्चर डिपार्टमेंट, मिजोरम सरकार के अधीन पारंपरिक नृत्य, संगीत और लोक गीत में ए+ ग्रेड में प्रमाणपत्र परीक्षा उत्तीर्ण की। वह ऑल इंडिया रेडियो, आइजोल के तहत बी हाई ग्रेड रेडियो कलाकार भी हैं। उन्होंने कई वर्षों तक मिजोरम के सबसे विशाल राज्य महोत्सव चापचर कुट में भाग लिया है और पूरे मिजोरम में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी प्रदर्शन किया है। उन्होंने न केवल मिजोरम, बल्कि त्रिपुरा, मणिपुर, असम, मेघालय, गोवा, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, नई दिल्ली, लक्षद्वीप के साथ-साथ भारत के बाहर प्योंगयांग, उत्तर कोरिया सहित कई स्थानों पर अपनी कला का प्रदर्शन किया है।

3. श्रीमती रूनरेमसाडी ने वर्ष 1986-2014 के दौरान पारंपरिक गीतों और आधुनिक लोक गीतों के 8 एल्बम जारी किए हैं। उन्होंने 50 से अधिक अवसरों पर मिजोरम के अनेक ग्रामीण इलाकों, स्कूलों और कॉलेजों में सांस्कृतिक नृत्य, लोक गीत और लोक संगीत की शिक्षा दी है। उन्होंने कई लोक गीत और सांस्कृतिक नृत्य प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका निभाई है।

4. श्रीमती रूनरेमसाडी को आइजोल शताब्दी समारोह समिति द्वारा आयोजित लोक गीत प्रतियोगिता में 03 मार्च, 1990 को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया था। लोक संगीत में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए, उन्हें भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति द्वारा संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार-2017 से सम्मानित किया गया था।